



पहला प्यार.. पहला लण्ड-2

“उसने साइड से लगभग मुझे बांहों में ही भर लिया था और उसका मुँह और होंठ भी मेरे मुँह के काफी करीब थे। उसके मुँह की गर्म भाप मेरे होंठों को छू रही थी.. क्योंकि दिसंबर की ठंड थी.. ...”

Story By: Luv Sharma (Luvsharma)

Posted: Thursday, December 15th, 2016

Categories: [गे सेक्स स्टोरी](#)

Online version: [पहला प्यार.. पहला लण्ड-2](#)

पहला प्यार.. पहला लण्ड-2

अब तक आपने पढ़ा..

मुझे अपने साथ पढ़ने वाले लड़के से मुहब्बत हो गई थी।

अब आगे..

तब मेरा लण्ड छोटा था, मुझसे रहा नहीं जा रहा था, मैंने तुरंत मुठ मारना शुरू कर दी.. वहाँ पर राजेश के कपड़े रखे हुए थे जिन्हें पहनकर वो आया था। मैं उन कपड़ों से लिपट गया और उनकी मर्दाना खुशबू को अपने जिस्म में उतारने लगा, जिससे मुझे राजेश के जिस्म का अनुभव हो रहा था। ऐसे ही करते हुए मेरा लौड़ा खाली हुआ और मुझे थोड़ी शांति हुई और मैं स्टेज की तरफ कार्यक्रम देखने पहुँच गया।

उस दिन के बाद मेरे दिमाग में राजेश का जिस्म ही चल रहा था.. और अब तो मेरा दिमाग राजेश के लण्ड की कल्पना भी करने लगा कि उसका लण्ड कैसा और कितना बड़ा होगा। लेकिन अभी भी उसका लण्ड चूसने.. गांड मरवाने या सेक्स करने का ख्याल भी दिमाग में नहीं आया था। क्योंकि इन सब बातों की समझ ही नहीं थी। मुझे तो बस यही पता था कि जब बड़े हो जाते हैं तब ही सेक्स करते हैं और वो भी लड़की के साथ करते हैं।

मेरे दिमाग में राजेश का मर्दाना जिस्म ही चल रहा था और अब मुझे जिस्म से लिपटने और उसके जिस्म को चूमने की लगन लगी थी.. लेकिन ऐसा तो नामुमकिन ही था।

इससे पहली की मेरी सारी ख्वाइशें संयोग से पूरी हो गई थीं लेकिन यदि उसके जिस्म को चूमना है तो इसके लिए उसको राज़ी करना होगा और वो तो एक साफ-सुथरा इंसान है। अभी तो हमारी उम्र भी कम ही थी.. कैसे मनाऊँ राजेश को इसी जद्दोजहद में मेरा दिमाग घूमने लगा।

अब मुझसे रहा नहीं जा रहा था और मुझे थोड़ा सा समझ में आया था कि शायद मैं राजेश से प्यार करता हूँ। लेकिन आगे क्या करना है.. यह नहीं पता था।

मैंने सोच लिया था कि अब मैं राजेश से अपने दिल की बात बोल दूँगा। वह तो दरियादिल जवान मर्द है.. जो सबकी ख्वाहिशें पूरी कर देता है.. तो मैं तो दोस्त हूँ.. मेरी तो ज़रूर करेगा।

यही सोचते हुए एक दिन मैंने उससे कहा- यार राजेश, तुझसे एक बात बोलनी है।

वो बोला- हाँ बोल..

मैंने कहा- फिर कभी बताऊँगा..

ऐसे करते हुए एक महीना हो गया। जब भी वह पूछता.. मैं टाल देता।

अब वह भी सोचने लगा था कि आखिर कौन सी ऐसी बात है.. जो मैं उसे बताना चाहता हूँ।

फिर एक दिन मुझे लगा कि मुझे हिम्मत करके राजेश से बात करना ही होगी.. तभी कुछ काम हो पाएगा। अभी कुछ दिनों के बाद क्रिसमस आने वाला है और क्रिसमस की रात को स्कूल में होने वाले कार्यक्रम के दौरान मुझे उसे अपनी बात देनी चाहिए और हो सकता है उस रात के अंधेरे में मुझे राजेश के जिस्म से लिपटने का मौका भी मिल जाए।

एक दिन राजेश ने फिर पूछा- बता न यार क्या बात बोलना थी ?

क्रिसमस के दिन की सोचकर मैंने भी राजेश से बोल दिया- क्रिसमस वाले दिन बताऊँगा।

आपको बता दूँ... हमारा क्रिस्चियन स्कूल था.. इसलिए क्रिसमस पर कार्यक्रम होता था, लेकिन वह कार्यक्रम 25 को न होते हुए 23 दिसम्बर को रखा जाता था। क्योंकि 25 को वह लोग अपने चर्च में ही पूजा अर्चना करते थे.. उस दिन बच्चों को नहीं बुलाया जाता था।

इसके अलावा साल में केवल यही एक दिन होता था.. जब रात के अंधेरे में मैं राजेश से मिल सकता था। इस दिन पूरा स्कूल भी खाली रहता था.. क्योंकि कार्यक्रम बाहर ग्राउंड में होता था।

अब 23 दिसंबर को मैं करीब 7 बजे अपने स्कूल पहुँचा और अपने सारे दोस्तों से मिला लेकिन राजेश कहीं नज़र नहीं आ रहा था। मैं थोड़ा घबरा गया कि राजेश क्यों नहीं आया है। मेरा मन विचलित हो गया और मैं उसे ढूँढने लगा।

तभी मुझे वह दूर से आता हुआ दिखा। आज तो राजेश कहर ढा रहा था.. क्योंकि आज वह स्कूल ड्रेस में नहीं था। हल्के नीले रंग की शर्ट.. जिसका खुला हुआ बटन और गहरे नीले रंग की ही जीन्स और वही मर्दाना चाल। आज तो मैंने उससे दिल की बात कहने का पूरा मन बना लिया था।

आपको बता दूँ कि राजेश भी एक लड़की को पसंद करता था और वह अब उसी लड़की को लाईन मार रहा था और कोशिश कर रहा था कि आज की काली रात में उस लड़की से उसका मिलन हो जाए। लेकिन राजेश को कहाँ पता था कि मिलन तो मेरा और उसका होने वाला था।

कार्यक्रम शुरू हो गया। रात काली होने लगी थी.. और अब पूरा स्कूल और उसके आस-पास का इलाका सुनसान हो रहा था। बस ग्राउंड में ही भीड़ थी.. और अब तो कार्यक्रम शुरू हो जाने से सब लोग बैठकर कार्यक्रम ही देख रहे थे। यदि कोई कांड हो भी तो किसी का ध्यान नहीं जाने वाला था।

राजेश ने मुझसे कहा- तू क्या बात बताने वाला था आज.. बता ना यार ?
लेकिन मैंने टाल दिया।

काफी समय बीत चुका था.. और अब राजेश को देख-देख कर मेरी कामुकता परवान चढ़ रही थी। वो इतना सेक्सी लग रहा था कि अब मैं ज्यादा समय बर्बाद न करते हुए राजेश के पास गया और वो बोला- बता ना.. कब बताएगा ?

मैंने कहा- हाँ चल.. बताता हूँ.. उधर चल.. ये छोटी बिल्डिंग के उस साइड..

ऐसा कहते हुए मैं उधर चला गया और पीछे-पीछे राजेश भी आ गया।

काली रात.. जवान राजेश और बस मैं..

राजेश बोला- बोल.. क्या बताना चाहता था तू इतने दिनों से ?

अब मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था कि मैं क्या बोलूँ.. मुझे तो बस राजेश को बाँहों में भरकर उसके जिस्म को चूमना था।

काफी समय हो गया लेकिन मैं कुछ बोल नहीं पा रहा था और राजेश बड़े ही प्यार से मुझसे पूछ रहा था। राजेश ने अपना मजबूत भारी हाथ मेरे कंधे पर रख दिया और एक करीबी दोस्त की तरह मुझे अपने से दबाते हुए और काफी अपनापन दिखाते हुए पूछने लगा। लेकिन मेरी हिम्मत नहीं हो रही थी।

अब तो मैं और भी मदहोश होने लगा था मुझसे पूछते हुए राजेश मेरे काफी पास आ चुका था। उसने साइड से लगभग मुझे बाँहों में ही भर लिया था और उसका मुँह और होंठ भी मेरे मुँह के काफी करीब थे। उसके मुँह की गर्म भाप मेरे होंठों को छू रही थी.. क्योंकि दिसंबर की ठंड थी.. इसलिए इस गरम भाप का एक अलग ही मजा मिला रहा था।

राजेश मुझसे बस मन की बात जानने के लिए ही इतना प्यार कर रहा था.. उसे तो पता भी नहीं था कि मैं क्या चाहता हूँ।

वह बार-बार मुझे विश्वास दिला रहा था- बता भाई.. मैं किसी को नहीं बताऊँगा।

काफी समय हो चुका था और राजेश की बाँहों में रहते हुए मुझे थोड़ी हिम्मत आई और मैंने कहा- चल वह स्कूल में क्लास के आगे बने बरामदे में चल.. वहाँ बताऊँगा।

यह छोटे बच्चों का स्कूल था.. जहाँ पर लाईन से क्लास रूम बने थे और सभी रूम को आपस में जोड़ने के लिए एक लंबा बरामद बना हुआ था।

अब हम लोग वहाँ चले गए.. वहाँ पर जाकर मेरी कामुकता और बढ़ गई थी क्योंकि वह सुरक्षित जगह थी। ऐसे ही करते हुए मैं उसे बरामदे के छोर पर ले गया.. जहाँ पर ऑफिस और स्टाफ रूम थे। वहाँ पर तो काफी सुरक्षित जगह थी जो कि आस-पास से ढकी हुई थी और वहाँ पर कोई आ भी नहीं सकता था।

अब तो हद हो चुकी थी। यही सब करते हुए हमें लगभग 45 मिनट हो चुके थे और अब तो राजेश मेरी बताई जगह पर भी आ चुका था.. इसलिए अब तो बताना ही पड़ेगा। बस यही सोचकर मैंने हिम्मत की। चूंकि इस वक्त मैं राजेश के काफी करीब था.. वो मुझे प्यार से पूछ भी रहा था.. अंधेरा भी था और सेफ जगह भी थी। ये मौका भी आखिरी ही था और बड़ी मुश्किल से मिला था क्योंकि हम दोनों स्कूल की अंतिम क्लास में थे और इसके बाद हम अलग होने वाले थे।

रात में घर वाले राजेश की बस्ती में कभी जाने भी नहीं देते थे।

बस हिम्मत करके मैंने राजेश से 'आई लव यू' बोल दिया और जवाब में वह बोला- अरे बस.. यही बोलने के लिए तूने इतना टाइम लगा दिया.. प्यार तो मैं भी तुझसे करता हूँ.. कितना अच्छा दोस्त है तू मेरा..

राजेश सही तरह से समझ नहीं पाया था.. फिर मैंने उसे अपने दिल की बात समझाई और

उसे समझ भी आई ।

राजेश की उम्र भी अभी एक नए जवान लौंडे की ही थी और उसे भी इन सब बातों की ज्यादा जानकारी नहीं थी । फिर भी वह बोला- यार प्यार तो एक लड़के और लड़की के बीच होता है.. तुझे कैसे हो गया मुझसे.. ?

इसके बाद हमने कुछ बातें की और राजेश ने मेरी भावनाओं को समझा ।

अब बातें तो पूरी हो चुकी थीं.. लेकिन अब मुझ में राजेश के मर्दाना जिस्म की आग धधक रही थी जो कि राजेश के जिस्म के इतना करीब होने से और भी तेज हो चुकी थी । अब तो मौका भी था और दस्तूर भी ।

मैंने राजेश से कहा- तुम बहुत खूबसूरत हो.. मैं एक बार तुझे गले लगाना चाहता हूँ और किस करना चाहता हूँ ।

वो भी मेरी बातों से थोड़ा भावुक हो गया था तो उसने कहा- ठीक है.. मैं खड़ा हूँ यहाँ पर.. तुझे जो करना है कर ले ।

बस इतना सुनते ही मेरा तो दिल बाग-बाग हो गया.. जैसे मेरी लॉटरी लग गई हो ।

अब मैंने राजेश की मजबूत भुजाओं को पकड़ा और उसे दीवार के सहारे खड़ा कर दिया और बोला- तू आँखें बंद कर ले और जो लड़की तुझे अच्छी लगती है न अपनी क्लास की.. उसी के बारे में सोच और अनुभव कर.. कि जो तेरे साथ हो रहा है.. वह वही कर रही है ।

इतना सुनकर राजेश ने आँखें बंद कर लीं ।

अब वह समय आ गया था जब राजेश सिर्फ मेरा था और मैं उसके साथ कुछ भी कर सकता था । मैं उसके मर्दाना मजबूत खूबसूरत जिस्म को बारीकी के साथ देख रहा था और उसके

पूरे जिस्म के हर हिस्से को महसूस करना चाहता था.. क्योंकि यह पहला और आखिरी मौका था ।

दोस्तो, मेरी मुराद आज पूरी होने वाली थी । आप अपने विचारों से मुझे जरूर अवगत कराएं ।

lovlysharma8@gmail.com

कहानी जारी है ।

Other stories you may be interested in

मेरा सच्चा दोस्त बाबा : एक गे स्टोरी

दोस्तो, आपका अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज पे स्वागत है. मैं दीपक आप सभी को प्रणाम करता हूँ. सबसे पहले मैं अपने बारे में आपको बता दूँ. मैं 5 फुट 4 इंच के कद का हूँ और मेरा लंड 6 इंच का [...]

[Full Story >>>](#)

टीचर की यौन वासना की तृप्ति-12

इस पोर्न स्टोरी में अब तक आपने पढ़ा कि मैं नम्रता को अपने घर की खिड़की से घोड़ी जैसी बना कर उसकी गांड में लंड पेल रहा था. अब आगे : नम्रता ने अपने हाथों को खिड़की से टिकाकर अपने जिस्म [...]

[Full Story >>>](#)

दोस्त की जुगाड़ भाभी की डबल चुदाई

मेरे प्यारे दोस्तो, कैसे हो आप सब ... मैं आपका दोस्त शिवराज एक बार फिर से एक सच्ची घटना लेकर आया हूँ. आप सबका जो प्यार मुझे मिला, वो ऐसे ही देते रहना. इस बार मैं आपको एक हसीन हादसा, [...]

[Full Story >>>](#)

बड़े चूचों वाली स्टूडेंट की चुदाई

हैलो ! नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम सन्दीप सिंह है. मैं भारत के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले का रहने वाला हूँ। मेरी हाइट करीब 5.7 फीट है। मैं सदैव व्यायाम करता हूँ। जिससे मेरा शरीर बिल्कुल फिट है। [...]

[Full Story >>>](#)

टीचर की यौन वासना की तृप्ति-11

इस सेक्सी स्टोरी में अब तक आपने पढ़ा कि नम्रता मेरे साथ मेरे घर आ चुकी थी और हम दोनों मेरे घर के बेडरूम में चुदाई के पहले का खेल खेलने लगे थे. अब आगे : फिर मैंने उसके पैरों के [...]

[Full Story >>>](#)

